www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 228 | जौनपुर बुधवार, 08 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस नेता सतीशन का केरल के मुख्यमंत्री पर तीखा हमला

इडुक्की, (एजेंसी)। केरल में सत्तारूढ़ सरकार पर तीखा हमला करते हुए विपक्ष के नेता वीडी. सतीशन ने सोमवार को प्रगति रिपोर्ट को श्झूठ का पुलिंदाश बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि 9 अप्रैल के विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने अपनी उपलब्धियों को बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया है और बड़ी नाकामियों को छिपाया है। सतीशन ने कहा कि सरकार की रिपोर्ट 38 पन्नों से घटकर 24 पन्नों की हो गई है, जो उनकी सच्चाई छिपाने की कोशिश को दिखाता है।उन्होंने सरकार के आवास योजना के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि 2016 में पांच लाख घर बनाने का वादा किया गया था, लेकिन दस साल में केवल करीब 4.5 लाख घर ही बन पाए। इसके मुकाबले उन्होंने कहा कि ओमन चांडी के नेतृत्व वाली सरकार ने पांच साल में ही लगभग पांच लाख घर बना दिए थे। विपक्ष के नेता ने एलडीएफ पर जनकल्याण योजनाओं के वादे पूरे न करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 1,600 रुपए से बढ़ाकर 2,000 और फिर 2,500 रुपए करने का वादा अब तक पूरा नहीं हुआ और चुनाव से ठीक पहले ही इसमें बढ़ोतरी की गई। रबर के लिए 250 रुपए समर्थन मूल्य देने का वादा भी पूरा नहीं हुआ, इस पर भी उन्होंने सरकार की आलोचना की। स्वास्थ्य क्षेत्र में सतीशन ने आरोप लगाया कि पिछली यूडीएफ सरकार के समय शुरू की गई।

सीपीआई–एम और कांग्रेस भाजपा की बी टीम हैं : तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को मुर्शिदाबाद जिले के जलांगी में एक जनसभा आयोजित की और विपक्षी कांग्रेस और सीपीआई–एम पर तीखा हमला बोला। जालांगी विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल उम्मीदवार बाबर अली के समर्थन में बनर्जी ने कहा कि हमारा उम्मीदवार बहुत पारदर्शी और समर्पित है। उन्होंने सीपीआई–एम और कांग्रेस को श्भाजपा की बी टीमश बताकर मतदाताओं को चेतावनी दी।सीपीआई–एम और कांग्रेस पर एक साथ हमला करते हुए उन्होंने कहा कि सीबीआई–एम अब बीते जमाने की बात हो गई है, और कांग्रेस को वोट देना अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा की मदद करना है। इसलिए, विकास के लिए, हमारी पार्टी के चिन्ह पर वोट दें और तृणमूल कांग्रेस को जिताएं। न्होंने विपक्षी खेमे के मुस्तफिजुर रहमान और यूनुस अली सरकार पर भी हमला बोला। उनके अनुसार, सीपीआई–एम के उम्मीदवार मुस्तफिजुर रहमान पर उनकी ही पार्टी के नेताओं ने हमला किया है। बनर्जी ने कहा कि मुस्तफिजुर रहमान राणा बाबू को पार्टी के भीतर उनके नेता स्वीकार नहीं करते। 2021 में उन्हें लगभग 48,000 वोटों से हार मिली थी। उस पार्टी को वोट देकर अपना वोट बर्बाद न करें। हमारे उम्मीदवार की छवि बेदाग है। उनका जन्म 1993 में हुआ था। उन्होंने बच्चों को पढ़ाना शुरू किया और मुफ्त शिक्षा वाले स्कूल स्थापित किए। मुर्शिदाबाद समेत बंगाल के कई इलाकों में उन्होंने निस्वार्थ भाव से लोगों के हित में शिक्षा के प्रसार और प्रगति के लिए काम किया।

पीएम मोदी की अपील - स्वस्थ समाज निर्माण में सबकी भागीदारी जरूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण की सराहना की और सभी नागरिकों को उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने लोगों से खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने को कहा। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम उन सभी लोगों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं, जो दूसरों की सेवा में अथक रूप से समर्पित हैं और एक स्वस्थ पृथ्वी के निर्माण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। हम एक स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति अपनी

प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। आइए, हम सभी मिलकर स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने और प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए निरंतर कार्य करते रहें।ष उन्होंने आगे कहा, षविश्व स्वास्थ्य दिवस पर मैं सभी देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। मेरा आग्रह है कि खुद को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास जरूर करें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा, श्अच्छा स्वास्थ्य एक ऐसा चुनाव है, जिसे हम उचित देखभाल से बनाए रख सकते हैं। इस अवसर पर, आइए हम सभी उचित देखभाल, स्वस्थ खान–पान की आदतों और नियमित व्यायाम के माध्यम से एक स्वस्थ और सुदृढ़ समाज के निर्माण के लिए स्वयं को समर्पित करें।ष केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) ने विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा, श्यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम अपने स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रखें और एक संतुलित जीवनशैली अपनाएं। स्वास्थ्य सेवा के प्रति भारत का दृष्टिकोण प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का एक अनूठा संगम है, जो न केवल देश के भीतर, बल्कि पूरे विश्व में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में सहायक है।

मध्य प्रदेश में छोटे किसानों से पहले होगी गेहूं खरीदी, कैबिनेट का फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भोपाल मध्य प्रदेश में गेहूं खरीदी नौ अप्रैल से शुरू होगी और सबसे पहले छोटे तथा सीमांत किसानों की उपज खरीदी जाएगी। यह निर्णय कैबिनेट की बैठक में लिया गया है। राज्य सरकार की कैबिनेट की बैठक मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में गेहूं खरीदी के संदर्भ में बड़ा फैसला लिया गया। बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए मंत्री चौतन्य काश्यप ने बताया कि राज्य में अंबेडकर जयंती पर विशेष कार्यक्रम होंगे। 8 अप्रैल से 14 तक कार्यक्रम हर जिले में होंगे। अंबेडकर जयंती का समारोह हर जिले में होगा, राज्य स्तरीय समारोह भिंड में होगा। इसके साथ ही संत रविदास जयंती पर वर्ष 31 मार्च 27 तक सामाजिक समरसता के कार्यक्रम होंगे। इसके लिए कार्य योजना बनाई जाएगी। मंत्री चेतन काश्यप ने आगे बताया कि गेहूं की खरीदी जो 10 अप्रैल से निश्चित की गई थी, वह 9 अप्रैल से शुरू की जा रही हैय इसमें छोटे और सीमांत किसानों की उपज को पहले खरीदा जाएगा। इसके बाद में बड़े किसानों को अलग से तारीख दी जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि केंद्र सरकार से तय सीमा बढ़ाने के लिए आग्रह किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि 19 लाख 4000 किसानों ने पंजीयन कराया, जो पिछले वर्ष से साढ़े तीन लाख अधिक है। इस वर्ष 3627 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं तथा 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जाएगी, जिसमें 40 रुपए बोनस राशि शामिल है जो राज्य सरकार दे रही है। गेहूं की खरीदी के लिए वारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। सभी जिलों में 9 अप्रैल से गेहूं की खरीदी शुरू हो जाएगी। मंत्री काश्यप ने कहा कि पिछले दिनों में राज्य को नए फोरलेन की स्वीकृति हुई है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण इटारसी– बैतूल क्षेत्र है जो टाइगर कोरिडोर है, वहां 22 किलोमीटर की सड़क स्वीकृत हुई है, इसके साथ निवाड़ी और झांसी को जोड़ने वाले बाईपास को भी मंजूरी मिली है।

तमिलनाडु सरकार भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त : भजनलाल शर्मा

कोयंबटूर, (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तमिलनाडु की सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह बात कोयंबटूर में आयोजित एक कार्यक्रम में कही, जहां उन्होंने राजस्थान से आए लोगों को संबोधित किया। राजनीतिक विश्लेषण मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी राजनीति देश के विकास के लिए ठीक नहीं है और लोगों को इसे नकारना चाहिए। राजस्थान में पिछली कांग्रेस सरकार के समय भी इसी तरह की स्थिति देखने को मिली थी। अब जरूरत है कि ऐसी व्यवस्था को मजबूत किया जाए, जो विकास को प्राथमिकता दे और सभी वर्गों को साथ लेकर चले। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों, युवाओं, महिलाओं और श्रमिकों को देश के चार प्रमुख स्तंभों के रूप में पहचाना है। केंद्र सरकार इन सभी वर्गों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है और इसी वजह से देश तेजी से आगे बढ़ रहा है।मुख्यमंत्री ने भाजपा के 47वें स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार राजस्थान में समाज के हर वर्ग के विकास के लिए काम कर रही है। राज्य में पानी और बिजली की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली में बड़ा फैसला, 1,511 कॉलोनियों को मिलेगा वैध दर्जा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों के रहने वालों के लिए राहत की खबर है। केंद्र की मोदी सरकार ने एक अहम फैसला लिया है, जिससे करीब 50 लाख लोगों को फायदा मिलेगा। अब दिल्ली की 1,731 अनधिकृत कॉलोनियों में से 1,511 कॉलोनियों को श्जैसा है, जहां हैश के आधार पर नियमित किया जाएगा। इसका मतलब है कि जिन परिवारों ने वर्षों तक अपने ही घर में रहते हुए भी अधिकार नहीं पाए, उन्हें अब कानूनी रूप से अपने घर का हक मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल का दिल्ली की जनता की ओर से आभार जताया। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्आज का दिन दिल्ली के 45 लाख लोगों के जीवन में राहत, सम्मान

और अधिकार का नया अध्याय लेकर आया है। प्रधानमंत्री ने वर्षों से अनदेखी इस पीड़ा को समझा, उन परिवारों के सपनों को महसूस किया, जो अपने ही घरों में रहते हुए भी अधिकार से वंचित थे। इसी संवेदनशील सोच से पीएम उदय योजना का मार्ग बना और आज 1,731 में से 1,511 अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण का रास्ता साफ हुआ है।ष उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल से आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। 7 दिन में जाआईएस सर्वे, 15 दिन में आवेदन की कमी दूर करने की प्रक्रिया और 45 दिन में हस्तांतरण डीड जारी करने की समयसीमा तय की गई है। रेखा गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार ने मिलकर इस प्रक्रिया की 22 बड़ी बाधाओं को दूर किया ताकि लाखों परिवारों को उनका हक बिना अटके, लटके, भटके मिल सके। साथ ही, 20 वर्गमीटर तक की छोटी दुकानों को भी शर्तों के साथ नियमित किया जाएगा, जिससे छोटे व्यापारियों को भी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजनरी सोच के अनुरूप दिल्ली के भविष्य को भी मजबूत किया जा रहा है।

संजय राउत ने ममता को बताया शेरनी, कहा- पीएम मोदी का इस्तीफा मांगना बिल्कुल सही

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग का समर्थन करते हुए उन्हें शेरनी बताया। मंगलवार को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउत ने कहा कि बनर्जी की मांग उचित है और आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की सफलता पर विश्वास जताया। राउत ने कहा कि ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग की है। वह शेरनी की तरह हैं। भाजपा बंगाल में कभी जीत नहीं पाएगी। इस चुनाव में भी आपको इसका नतीजा देखने को मिलेगा। ममता बनर्जी ने जिस तरह से प्रधानमंत्री के इस्तीफे की

मांग की है, वह जायज है और बंगाल हमेशा उनके शासन में रहेगा। राउत ने प्रधानमंत्री मोदी की उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया था। उन्होंने प्रधानमंत्री के अपने बयानों पर सवाल उठाते हुए उन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का आरोप लगाया। राउत ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोल रही है, तो वह किसकी भाषा बोल रहे हैं? डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को कमजोर करने की कोशिश की है। हमारे प्रधानमंत्री को यह बात समझ नहीं आ रही है और हमारी सरकार डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुक गई है। इसके अलावा, राउत ने बारामती में चल रहे चुनाव पर भी बात की, जहां कांग्रेस ने महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। उन्होंने इसे एक सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया बताया और दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक महान और प्रभावशाली नेता बताया। उन्होंने आगे कहा कि अजित दादा के बाद बारामती में हो रहे चुनाव के संबंध में, कांग्रेस ने सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। यह चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा हैय कोई भी अपना उम्मीदवार खड़ा कर सकता है।

तमिलनाडु में बदलाव की लहर के बीच एनडीए सरकार बनाएगा – सीएम फडणवीस

मदुरै (तमिलनाडु), (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि एनडीए के पक्ष में तमिलनाडु में बदलाव की एक मजबूत लहर चल रही है और उन्हें विश्वास है कि गठबंधन राज्य में अगली सरकार बनाएगा। मदुरै में भाजपा उम्मीदवार रामा श्रीनिवासन का नामांकन दाखिल करने के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए फडणवीस ने उन्हें सार्वजनिक सेवा में व्यापक अनुभव रखने वाला एक युवा और होनहार नेता बताया। उन्होंने कहा कि हमने अभी–अभी अपने उम्मीदवार रामा श्रीनिवासन का नामांकन दाखिल किया है। मैं स्पष्ट रूप से देख सकता हूं कि तमिलनाडु में बदलाव की लहर चल रही है। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारे एनडीए सहयोगियों के नेतृत्व में हम तमिलनाडु में सरकार बनाएंगे। हमारा उम्मीदवार इस निर्वाचन क्षेत्र से निश्चित रूप से जीतेगा।सत्ताधारी डीएमके और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के श्डब्बा इंजनश वाले बयान पर निशाना साधते हुए फडणवीस ने कहा कि

राज्य की जनता अपने मत के माध्यम से करारा जवाब देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों ने डीएमके का कुशासन देखा है। उसके लगभग 75 प्रतिशत मंत्रिमंडल सदस्यों पर आपराधिक आरोप हैं। भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं। महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और बच्चे असुरक्षित हैं। पिछले चार वर्षों में बाल यौन शोषण के मामले दोगुने हो गए हैं, और लोग डीएमके और ऐसे तत्वों के बीच सांठगांठ देखते हैं। इसलिए, जनता एनडीए को सत्ता में लाकर जवाब देगी।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने राज्य की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि तमिलनाडु कर्ज के जाल में फंसता जा रहा है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु हमारे देश के सबसे होनहार राज्यों में से एक रहा है।

केरलम में बदलाव की आहट, एलडीएफ और भाजपा के बीच सांठगांठ : प्रियंका

कोझिकोड, (एजेंसी)। केरलम चुनाव में प्रचार करने पहुंची कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि यहां अब बदलाव की आहट दिखाई दे रही है। इसके साथ ही उन्होंने एलडीएफ और भाजपा पर हमला बोला है। केरलम चुनाव को लेकर कोझिकोड में मीडिया से बातचीत में प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि लोग अब समझ गए हैं कि एलडीएफ और भाजपा के बीच सांठगांठ है। इसके साथ ही, दस सालों से लोगों की

तरक्की नहीं हुई है। लोगों से बात करके देखिए, लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है, कीमतों में कोई कमी नहीं आ रही है। केरलम जैसे राज्य में लोग परेशान हैं और स्थिति को समझ भी रहे हैं और केरलम में बदलाव की आहट है।महिला आरक्षण को लेकर प्रियंका ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री चाहते थे कि सभी दल एक साथ आएं और इस पर चर्चा करें, तो कम से कम उन दलों से चर्चा करनी चाहिए थी। हमें तो इसके बारे में कोई जानकारी ही नहीं है कि वे करना क्या चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आप जो करते हैं, आप चाहते हैं कि सभी उससे सहमत हों। कम से कम बात तो करनी चाहिए। ये लोकतंत्र है। लोकतंत्र में चर्चा बहुत जरूरी होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर मैं आपके लिए कोई पॉलिसी बनाना चाहती हूं तो आपसे मैं यह भी जानना चाहूंगी ना कि आप चाहते क्या हैं? अगर सरकार कोई पॉलिसी बना रही है, तो चर्चा करनी चाहिए।प्रियंका गांधी ने कहा कि आप हमारी बात मानिए या ना मानिए, लेकिन कम से कम चर्चा तो करिए। सरकार सबकुछ अपने हिसाब से कर रही है और चर्चा नहीं करती है।

छात्रो व अभिभावकों से जबरन फीस वसूली करने वाले स्कूल - कालेज पर अंकुश लगाने के लिए डीएम की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय कमेटी का हुआ गठन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।अप्रैल माह में अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करने के लिए शासन के निर्देश पर शिक्षा विभाग द्वारा छात्रों तथा उनके अभिभावकों को जागरूक करने के लिए कई जगहों पर जागरूकता रैली सहित अन्य कई कार्यक्रम किया जा रहे हैं। लेकिन इसी बीच छात्रों व उनके अभिभावकों ने जिले के कई नामी ग्रामीण शिक्षण संस्थाओं के प्रबंधको,प्रधानाचार्य पर आरोप लगाया कि उनके द्वारा फीस के नाम पर काफी वसूली भी हो रही है।मामला फीस वसूली तक ही नहीं सीमित है इन छात्रों के अभाव को ने यहां तक बताया कि कई संस्थाओं द्वारा जबरन कमीशन के नाम पर तय किए गए दुकानों पर काफी किताब तथा बच्चों के ड्रेस जूते आज स्कूली सामग्रियों को लेने के लिए बाध्य किया जा रहा है।इस मामले में सबसे अधिक शिकार उन मेधावी छात्रों के बच्चे हो रहे हैं, जिनके बच्चे तो मेधावी हैं लेकिन पैसे की कमी के चलते अपने बच्चों को इन स्कूलों में पढ़ा नहीं पा रहे हैं। जिसका मुख्य कारण कमीशन के नाम पर इन स्कूलों के प्रबंधको तथा प्रधानाचार्यो तथा जिले में शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक दुकानदारों जींस की कमीशन तय है जिसके चलते महंगे काफी किताब ड्रेस जूते सहित अन्य शैक्षिक सामग्रियों को इन गरीब मेधावी छात्रों के माता–पिता नहीं खरीद पा रहे हैं। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन कुमार तिवारी ने बताया यह एक बहुत ही गंभीर समस्या है।उन्होंने बताया कि शान द्वारा इन पर शिकंजा कसने के लिए एक समिति का गठन किया गया है।जिसमें डीएम इस समिति के अध्यक्ष हैं।वही जिला विद्यालय निरीक्षक इस समिति के सचिव है। इस समिति मे पांच सदस्य जिनमे तीन सदस्य जबकि दो पदेन सदस्य हैं।उन्होंने बताया कि छात्रों तथा उनके माता–पिता द्वारा शिकायत मिलने पर इस तरह के घृणित कृत्य करने वाले स्कूलों के प्रबंधकों तथा प्रधानाचार्यो के ऊपर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने छात्रों तथा उनके माता–पिता से अपील किया है कि अगर किसी भी स्कूल या कॉलेज के प्रबंधक तथा प्रधानाचार्य जबरन किसी भी दुकान से काफी किताब ड्रेस सहित अन्य स्कूली सामग्रियों को खरीदने के लिए बात करते हैं तो वह सीधे जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में आकर शिकायत करें जिस पर ऐसे स्कूल कॉलेज के प्रबंधकों तथा कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

संपादकीय

सोशल मीडिया की लत

युवा या किसी उम्र वर्ग के व्यक्ति को सोशल मीडिया की लत क्यों लगती है? कुछ अध्ययनों के मुताबिक युवा अपने खालीपन की भरपाई सोशल मीडिया से करते हैं, जहां अल्पकालिक उत्तेजना और निरर्थक सूचना देने वाले स्रोतों की भी भरमार है। भारत सहित तमाम देशों में सोशल मीडिया युवाओं के बीच खुशी घटा रहा है। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट– 2026 के अनुसार कुल मिलाकर युवाओं की खुशी पर सोशल मीडिया का असर नकारात्मक है। बहरहाल, उभरे रुझानों के लिए महज सोशल मीडिया को दोष देना शायद ठीक ना हो। खुद इसी रिपोर्ट के मुताबिक जो युवा सोशल मीडिया का रोजाना एक घंटे से कम इस्तेमाल करते हैं, वे इससे खुशी और संतुष्टि प्राप्त करते हैं। संभवतरू इसलिए कि इस दौरान वे अपने दोस्त– रिश्तेदारों से संपर्क करते हैं और अपने लिए जरूरी सूचनाएं या मनोरंजन हासिल कर लेते हैं। उसके बाद वास्तविक समाज या इनसानी दायरे से जुड़ने के लिए उनके पास पर्याप्त समय रहता है, जहां उन्हें बेहतर अहसास हासिल होता है। तो प्रश्न है कि आखिर युवा या किसी उम्र वर्ग के व्यक्ति को सोशल मीडिया की लत क्यों लगती है? क्या यह परिवार में बढ़ते एकाकीपन एवं समाज में घटती सामूहिकता का परिणाम है? कुछ अध्ययनों के मुताबिक उपरोक्त कारणों से युवा खालीपन का शिकार होते हैं, जिसकी भरपाई वे सोशल मीडिया से करते हैं, जहां अल्पकालिक उत्तेजना, क्षणिक मनोरंजन, और निरर्थक सूचना देने वाले स्रोतों की भी भरमार है। हैप्पीनेस रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि युवाओं के सोशल मीडिया उपयोग पर नियंत्रण की दिशा में नीति–निर्माताओं को कदम उठाने चाहिए। दरअसल, हाल में कई देशों और भारत के कुछ राज्यों में ऐसे कदम उठाए भी गए हैं। मगर उनकी सफलता संदिग्ध है, क्योंकि बच्चों और युवाओं के सामने समय के बेहतर और आनंददायक उपयोग का विकल्प दिए बिना जबरन सोशल मीडिया से उन्हें अलग करना अलग तरह की मुश्किलों को जन्म दे सकता है। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट विभिन्न देशों के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, सामाजिक सहायता प्रणालियों की उपलब्धता, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, जीवन संबंधी फैसले लेने की स्वतंत्रता की स्थिति, समाज में उदारता अथवा दानशीलता की भावना, और भ्रष्टाचार के संबंध में जन–धारणा की कसौटियों पर तैयारी की जाती है। अगर इन बिंदुओं पर समाज में अपेक्षित प्रगति हो, तो संभव है कि फिर सोशल मीडिया की लत की समस्या से भी समाज बचा रह सकेगा।

तीसरे विश्वयुद्ध की आहट और गांधी

प्रेरणा

इतिहास विजय–पराजय–विनाश का मृत दस्तावेज नहीं है, न वह किसी की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने की कहानी का विवरण है। इतिहास एक ऐसी पाठशाला है, जिसमें हम अपनी गलतियों से सीखने का पाठ पढ़ सकते हैं बशर्ते कि हम अक्ल से अंधे या काला अक्षर भैंस बराबर न हों। पिछले कुछ समय से लग रहा है कि हम श्तीसरे विश्वयुद्धश की तरफ बढ़ रहे हैं। उसकी आहट तेज हो रही है। दुनिया के सबसे ताकतवर राष्ट्रपति ट्रंप को इस बात का श्रेय है। कई दिनों बाद एक ऐसे दोस्त का फोन आया जिन्हें पता है कि मैं गांधीजी के विचारों को मानती हूं और उन पर काम भी करती हूं। उन्होंने हल्के–फुल्के अंदाज में कहा– आज की परिस्थितियों ने आपकी याद दिला दी।–श्क्यों, क्या हुआ?श मैंने पूछा तो वे बोले रू पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल नहीं मिल रहा, तो अब पदयात्रा के दिन वापस आते दिख रहे हैंय रोजगार का संकट भी ऐसा है कि लगता है चरखा चलाने के दिन लौट आएंगे। उन्होंने यह सब भले मजाक में कहा हो, लेकिन यह सच है कि पिछले कुछ समय से मेरे मन में भी ऐसी बातें उठ रही हैं। गांधीजी का जन्म 1869 में हुआ था। 1891 में वे इंग्लैंड पहुंचे वकालत की पढ़ाई करने और 1893 में दक्षिण अफ्रीका पहुंचे नौकरी करने। आप इन वर्षों का ध्यान रखिए, क्योंकि इन्हीं वर्षों में दुनिया में उपनिवेशवाद तेजी से फैल रहा था। इंग्लैंड ही नहीं, फ्रांस, जर्मनी, रूस, पुर्तगाल और अन्य यूरोपीय देश भी अपने उपनिवेशों की तलाश में थे।औद्योगिक क्रांति के लगभग 75 वर्ष बाद सारे आका देशों को पता चल चुका था कि विकास के इस मॉडल को बनाए–टिकाए रखने के लिए असीमित ईंधन और कच्चे माल की आवश्यकता होगी जो किसी जगह इफरातन मिल नहीं सकता। इसलिए जरूरी है कि हम दुनिया के खेतिहर समाजों पर कब्जा करेंय और दूसरों से पहले करें। उपनिवेश फैलाने की यह होड़ जो तब शुरू हुई वह आज भी जारी है। 20 वीं सदी की शुरुआत के साथ ही श्प्रथम विश्वयुद्धश की पृष्ठभूमि तैयार होने लगी थी। मोरक्को पर नियंत्रण को लेकर तनाव, बोस्निया पर कब्जा, बाल्कन के युद्ध और दुनिया भर में हथियारों की होड़– सब तरफ अंधाधुंधी का ऐसा ही आलम था। इन्हीं बढ़ते तनावों के बीच जून 1914 में ऑस्ट्रो–हंगेरियन साम्राज्य के उत्तराधिकारी की हत्या हुई, जिसने अंततरू श्प्रथम विश्वयुद्धश का रास्ता खोल दिया।एक तरफ यह चल रहा था तो दूसरी तरफ बैरिस्टर मोहनदास करमचंद गांधी का महात्मा बनने का सफर भी चल रहा था। फिर तो दो विश्वयुद्ध हुए, दुनिया ने अणुबम का पहला विनाश देखाय और दूसरी तरफ दुनिया ने गांधीजी के सत्य के प्रयोग और भारत की आजादी की अनोखी लड़ाई देखी! गौर करने की बात है कि गांधीजी की अहिंसा वह आध्यात्मिक अवधारणा मात्र नहीं है जो भारत की हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति से उपजी है। उनकी अहिंसा युद्ध और संघर्ष के बीच तपी व निखरी है। भगवद्गीता के संदेश को वे अपनी तरह से हमें बताते हैंरू श्आंख के बदले आंख का सिद्धांत पूरी दुनिया को अंधा बना देगा।श्इतिहास विजय–पराजय–विनाश का मृत दस्तावेज नहीं है, न वह किसी की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने की कहानी का विवरण है। इतिहास एक ऐसी पाठशाला है, जिसमें हम अपनी गलतियों से सीखने का पाठ पढ़ सकते हैं बशर्ते कि हम अक्ल से अंधे या काला अक्षर भैंस बराबर न हों। पिछले कुछ समय से लग रहा है कि हम श्तीसरे विश्वयुद्धच की तरफ बढ़ रहे हैं। उसकी आहट तेज हो रही है। दुनिया के सबसे ताकघ्तवर राष्ट्रपति ट्रंप को इस बात का श्रेय है कि वे दुनिया को घसीटकर विश्वयुद्ध के मुहाने तक ले आए हैं। महायुद्ध के मुहाने पर जब हम गांधीजी के साथ खड़े होते हैं तब वे हमें क्या कहते मिलते हैं? श्उस हथियारबंद आदमी ने आपकी संपत्ति चुरा ली हैय आपने उसके इस कृत्य के बारे में सोचा हैय आप गुस्से से भरे हुए हैंय आप तर्क देते हैं कि उस बदमाश को दंडित करना है, अपने लिए नहीं, बल्कि अपने पड़ोसियों की भलाई के लिएय आपने कई हथियारबंद आदमियों को इकत्रा किया है, आप उसके घर पर हमला करके उसे लूटना चाहते हैंय उसे इसकी सूचना मिल जाती है, वह भाग जाता हैय वह भी क्रोधित है। वह अपने साथी लुटेरों को इकत्रा करता है और आपको चुनौती भरा संदेश भेजता है कि वह दिन–दहाड़े आपके यहां डकैती करेगा।श श्आप मजबूत हैं, आप उससे डरते नहीं हैं, आप उसका सामना करने के लिए तैयार हैं।

बागी सिपाहियों को सबक सिखाने के मूड में कांग्रेस

उमेश

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीख जैसे–जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनावी घमासान बढ़ता जा रहा है। देश की सबसे पुरानी पार्टी का दांव चूंकि दो राज्यों में ही सबसे ज्यादा है, इसलिए उसका सारा ध्यान इन्हीं दो राज्यों पर है। असम और केरल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की स्थिति अलग–अलग है। इसलिए दोनों ही राज्यों में उसकी चुनौतियां अलग हैं, इसलिए उसकी लड़ाई के रूप और तरीके अलग–अलग हैं। हरियाली और समुद्री किनारे के चलते केरल को खूबसूरत राज्यों में शुमार किया जाता है। इस खूबसूरती की ही वजह से केरल को 'भगवान का देश' कहा जाता है। बारह साल से केंद्रीय सत्ता से दूर कांग्रेस को उम्मीद भगवान के इसी देश से ही ज्यादा है। पिछले लोकसभा चुनावों में जिस तरह इस राज्य से उसे समर्थन मिला था, उसकी वजह से उसकी उम्मीदों का परवान चढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन यहां उसकी चुनौती भगवान को न मानने वाली विचारधारा से है। केरल की सत्ता पर काबिज जिस वाममोर्चा से विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का मुकाबला है, राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के खिलाफ बने विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस उसी वाममोर्चे के साथ है। स्थानीय स्तर पर विरोध और राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग का विरोधाभास अगर सर्वाधिक शिक्षित राज्य में भारी पड़ सकता है। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में राजधानी तिरूअनंतपुरम् में जीत हासिल कर चुकी बीजेपी इस विरोधाभास को खूब उछाल रही है। वैसे तो बीजेपी का दावा है कि इस बार भगवान के देश में भगवा ध्वज फहरने जा रहा है, हालांकि अब तक चुनावी अभियान से साफ है कि बीजेपी को वैसी सफलता मिलती नजर नहीं आ रही। लेकिन बीजेपी का मौजूदा जीन आखिरी दम तक हार नहीं मानने का है। इसलिए पार्टी की कोशिश सीपीएम की अगुआई वाले वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त मोर्चे के विरोधाभास को उजागर करने पर है। पार्टी को लगता है कि देश के इस सर्वाधिक साक्षर राज्य में अगर जनता ने इस विरोधाभास को समझ लिया तो राज्य के चुनावी नतीजे 2017 के उत्तर प्रदेश के परिणामों की तरह आश्चर्यजनक रूप से अपने पक्ष में किए जा सकते है। 2017 में किसने सोचा था कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत हासिल करेगी। इसी कोशिश के तहत अमित शाह केरल की करीब 19 प्रतिशत जनसंख्या वाले ईसाई समुदाय से लगातार संपर्क कर रहे हैं। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, केरल के कुल 3.34 करोड़ निवासियों में से लगभग 61.41 लाख ईसाई हैं, जो मुख्य रूप से मध्य केरल में केंद्रित हैं। पारंपरिक रूप से केरल में यह समुदाय कांग्रेस का सहयोग करता रहा है, लेकिन बीजेपी की कोशिश इस समुदाय को कांग्रेस से तोड़ने की रही है। हालिया अतीत के कुछ चुनावों में यह समुदाय बीजेपी के साथ खड़ा होता नजर आया है। इसकी वजह यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित लव जेहाद का शिकार केरल में यह समुदाय भी होता रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर इस समुदाय में भी कुछ वैसा ही गुस्सा है, जैसा उत्तर भारत में हिंदू समाज में ऐसा नजर आता है। कांग्रेस का संकट है कि वह वाममोर्चा का विरोध और समर्थन की उलटबांसी की सटीक काट नहीं खोज पा रही है। इस वजह से राज्य का चुनावी मुकाबला लगातार दिलचस्प होता जा रहा है। वैसे बीजेपी जिस तरह की कोशिश करती नजर आ रही है, उससे सबसे ज्यादा संकट में कांग्रेस की संभावनाएँ ही नजर आ रही है। ऐसा लगता है कि बीजेपी की रणनीति कांग्रेस को इस राज्य की सत्ता से दूर रखने की ही है। पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है। जिस तरह उनकी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन–तीन पासपोर्ट हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का आरोप है कि रिन्की भुइयां सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरता, एंटीगुआ और बारबुडा एवं मिस्र का पासपोर्ट है। कांग्रेस ने इसके समर्थन के कुछ दस्तावेजों की कॉपी भी दिखाई है। हालांकि हिमंत विस्वसरमा का कहना है कि कांग्रेस हताशा में है और उनकी ओर से कांग्रेस के नेताओं पर मानहानि का केस दायर करने की भी बात कही जा रही है। कांग्रेस एक तरह से अपने इस पुराने सिपाही को भ्रष्टतम साबित करने की कोशिश में है। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि हिमंत के पास अमेरिका में भी कंपनी है, जिसमें बावन हजार करोड़ रूपए जमा हैं। कांग्रेस का यह आरोप राहुल गांधी के आरोपों का विस्तार ही लगता है। राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले उन्होंने अपने पुराने सहयोगी को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया था। राहुल गांधी उन्हें सत्ता में वापसी के बाद जेल भेजने की बात कहते रहे हैं। कांग्रेस की इन आरोपों के जरिए कोशिश सिर्फ हिमंत को ही सवालों के घेरे में रखना नहीं है, बल्कि बीजेपी को भी भ्रष्टाचार बताने की भी है। वैसे हिमंत भी राहुल गांधी की आलोचना करते रहे हैं। अपने कांग्रेस छोड़ने की वजह वे राहुल गांधी को ही बताते रहे हैं। दोनों के रिश्तों के संदर्भ में मौजूदा आरोपों को देखें तो यह निजी खुन्नस का भी मामला लगता है। हिमंत इन आरोपों को निजी खुन्नस बताने और असम के लोगों को समझाने की कोशिश में लगे हैं। अगर वे इसमें कामयाब रहे तो असम में कांग्रेस की चुनावी संभावना दूर होगी। अगर ऐसा हुआ तो फिर कांग्रेस के लिए उत्तर पूर्व में अपनी मौजूदगी बनाए रखना दूर की कौड़ी हो जाएगा। इसका कारण यह है कि हिमंत पूर्वोत्तर भारत में बीजेपी का चेहरा और संकट मोचक बन चुके हैं। अगर कांग्रेस की कोशिशें कामयाब रहीं तो पूर्वोत्तर में बीजेपी की राह कठिन हो जाएगी। हिमंत की हार उसकी चुनावी संभावनाओं पर बड़ा प्रश्नचिन्ह बनकर उभरेगी। असम पर काबू पाने के लिए कांग्रेस ने अपने हरावल दस्ते के हर हथियार मैदान में उतार दिए हैं। कांग्रेस की कोशिशों को पलीता उसकी प्रेस कांफ्रेंस में ही लगता दिखा, जब राष्ट्रीय मीडिया के एक पत्रकार ने उस कंपनी की वेबसाइट खोलकर उसकी स्थापना के तथ्य कांग्रेस प्रवक्ता के सामने पेश करने शुरू कर दिए, जो कांग्रेस के दावे के ठीक उलट नजर आ रहे थे।

केरल– एलडीएफ और यूडीएफ के घोषणापत्र

पी. श्रीकुमारन

जहां एलडीएफ का घोषणापत्र अपने वादों को पूरा करने पर जोर देता है, वहीं यूडीएफ का प्रयास वोट हासिल करने की एक छिपी हुई कोशिश लगती है। दूसरे शब्दों में कहें तो, एलडीएफ सिर्फ वही वादे करता है जिन्हें वह पूरा कर सकता है। पिनाराई–1 और पिनाराई–2, दोनों सरकारों का रिकॉर्ड इस बात को बिना किसी शक के साबित करता है। केरल के लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के घोषणापत्रों का अध्ययन करना काफी दिलचस्प है। दोनों के बीच का अंतर इतना साफ है कि इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।जहां एलडीएफ का घोषणापत्र अपने वादों को पूरा करने पर जोर देता है, वहीं यूडीएफ का प्रयास वोट हासिल करने की एक छिपी हुई कोशिश लगती है। दूसरे शब्दों में कहें तो, एलडीएफ सिर्फ वही वादे करता है जिन्हें वह पूरा कर सकता है। पिनाराई–1 और पिनाराई–2, दोनों सरकारों का रिकॉर्ड इस बात को बिना किसी शक के साबित करता है। केरल के लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के घोषणापत्रों का अध्ययन करना काफी दिलचस्प है। दोनों के बीच का अंतर इतना साफ है कि इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।जहां एलडीएफ का घोषणापत्र अपने वादों को पूरा करने पर जोर देता है, वहीं यूडीएफ का प्रयास वोट हासिल करने की एक छिपी हुई कोशिश लगती है। दूसरे शब्दों में कहें तो, एलडीएफ सिर्फ वही वादे करता है जिन्हें वह पूरा कर सकता है। पिनाराई–1 और पिनाराई–2, दोनों सरकारों का रिकॉर्ड इस बात को बिना किसी शक के साबित करता है। उदाहरण के लिए, पिनाराई–1 सरकार का रिकॉर्ड काफी शानदार रहा है, जिसने अपने 98 प्रतिशत वादों को पूरा किया। पिनाराई–2 सरकार के घोषणापत्र को लागू करने का रिकॉर्ड भी उतना ही प्रभावशाली है।मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन द्वारा जारी एलडीएफ के घोषणापत्र में एक 60–सूत्री कार्यक्रम की रूपरेखा दी गई है, जिसमें श्नवा केरलश बनाने के लिए 950 प्रस्ताव शामिल हैं। यह फ्रंट चल रहे विकास कार्यों को जारी रखने के लिए लोगों का जनादेश मांग रहा है। एलडीएफ घोषणापत्र की मुख्य बातें ये हैरू घोर गरीबी को खत्म करने का वादा, केरल को श्बेघर–मुक्त राज्यश बनाने के लिए श्लाइफ मिशन 2.0श्च की शुरुआत, कल्याणकारी पेंशन को 2000 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये करना, पांच सालों में राज्य को एक श्ज्ञान–आधारित समाजश में बदलना, कैंपस प्लेसमेंट के जरिए शिक्षित युवाओं के लिए पक्की नौकरी के अवसर, कौशल विकास के लिए श्बैक टू कैंपसश योजना, और उद्यमियों के लिए ब्याज–मुक्त ऋण।लगभग पांच लाख अत्यंत गरीब परिवारों की पहचान की जाएगी और उन्हें गरीबी से बाहर निकाला जाएगा। महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से शुरू की गई पहलों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत रोजगार का वादा और 20 लाख गृहिणियों के लिए नौकरी की गारंटी शामिल है। शिक्षा के क्षेत्र में, जिसने पिछले 10 सालों में जबरदस्त प्रगति की है, घोषणापत्र में उच्च शिक्षा को वैश्विक मानकों तक पहुंचाने, सार्वजनिक शिक्षा में सीखने की कमियों को दूर करने और तकनीकी शिक्षा की पहलों का विस्तार करने का वादा किया गया है।स्वास्थ्य के क्षेत्र में, एक श्सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज योजनाश लागू करने और इलाज के असीमित लाभ प्रदान करने का वादा किया गया है। अभी, 42 लाख लाभार्थियों को श्कारुण्य आरोग्य सुरक्षा पद्धतिश के तहत 5 लाख रुपये तक का इलाज का लाभ मिल रहा है। बिस्तर पर पड़े सभी मरीजों को विशेष इलाज मिलेगा और सभी बुजुर्ग नागरिकों के लिए योजनाएं बनाई जाएंगी। जहां तक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की बात है, जिसे केंद्र सरकार ने देने से मना कर दिया है– जो केरल के साथ भेदभाव का एक उदाहरण है–एलडीएफ का वादा है कि अगर केंद्र सरकार अपना रुख नहीं बदलती है, तो वह लोगों की मदद से एक बेहतर मेडिकल–रिसर्च अस्पताल बनाएगी।एलडीएफ ने कहा कि वे केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम और कोझिकोड, दोनों जगहों पर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट शुरू होने वाले हैंय वहीं श्वॉटर मेट्रोश – जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तारीफ मिली है – का विस्तार अलाप्पुझा, कोल्लम और कोडुंगल्लूर तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि श्विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियमश (एफसीआरए) में प्रस्तावित संशोधनों को लेकर अल्पसंख्यकों ने जो चिंताएं जाहिर की हैं, वे बिल्कुल सही हैंय क्योंकि ये संशोधन भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ला रही है– जो श्राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघश (आरएसएस) की राजनीतिक शाखा है। पीड़ितों का साथ देने के बजाय, संघ अपराधियों को बचा रहा है। विजयन ने जोर देकर कहा कि यही सच्चाई है, इसलिए अल्पसंख्यकों का डर बेबुनियाद नहीं है।अपनी तरफ से, कांग्रेस के नेतृत्व वाला श्संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चाश (यूडीएफ) पांच श्इंदिरा गारंटीश और पांच श्ड्रीम प्रोजेक्टश का वादा कर रहा हैय जिनका मुख्य जोर समुद्री और विमानन क्षेत्रों पर, और वायनाड में एक श्आदिवासी विश्वविद्यालयश बनाने पर होगा। राहुल गांधी ने पहले जिन पांच गारंटियों की घोषणा की थी, वे इस प्रकार हैंरू महिलाओं के लिए श्केरल राज्य सड़क परिवहन निगमश (केएसआरटीसी) की बसों में मुफ्त यात्राय कॉलेज जाने वाली छात्राओं को हर महीने 1,000 रुपये की आर्थिक मददय कल्याणकारी पेंशन को बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह करनाय पूर्व मुख्यमंत्री ओमनचांडी के नाम पर शुरू की गई एक योजना के तहत हर परिवार को 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर देनाय और युवाओं को अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये तक का ब्याज–मुक्त कर्ज देना। विपक्ष के नेता वी. डी. सतीशन ने, जिन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को घोषणापत्र की एक प्रति सौंपी, कहा कि अगर यूडीएफ सत्ता में आती है, तो बुजुर्गों के सम्मान, देखभाल और उनके कल्याण पर विशेष ध्यान देने के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया जाएगा। घोषणापत्र में प्रमुखता से शामिल श्मिशन समुद्रश का उद्देश्य राज्य की 600 किलोमीटर लंबी तटरेखा, 44 नदियों, 34 झीलों, चार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों और ऊंचे पहाड़ी इलाकों से मिलने वाले अवसरों को एकीकृत करना है, ताकि वैश्विक समुद्री क्षेत्र में केरल की स्थिति को और बेहतर बनाया जा सके। विमानन क्षेत्र में, घोषणापत्र में पायलट और विमानन कर्मचारियों के प्रशिक्षण की आधुनिक सुविधाओं, कोच्चि हवाई अड्डे पर रनवे निर्माण के दूसरे चरण और कन्नूर हवाई अड्डे के समग्र विकास का वादा किया गया है। अन्य प्रमुख आश्वासनों में एक कल्याण पेंशन आयोग की स्थापना, जरूरतमंदों के लिए श्आश्रयश परियोजना का दूसरा चरण और जनता को कम दरों पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए श्इंदिरा कैंटीनश की शुरुआत शामिल है। स्वास्थ्य क्षेत्र में, वादों में बजट में अधिक आवंटन और मरीजों की जेब से होने वाले खर्चों को कम करने के लिए उठाए जाने वाले कदम शामिल हैं। महिलाओं और बच्चों के लिए श्शी हॉस्पिटल्सश, बुजुर्ग महिलाओं के लिए श्अम्मावाड़ीश प्रोजेक्ट और आदिवासी स्वास्थ्य क्लस्टर के वादे भी शामिल किये गये हैं। एक और वादा है रैगिंग को रोकने के लिए श्सिद्धार्थन एंटी–रैगिंग और छात्र कल्याण अधिनियमश को लागू करना। सतीसन ने लगभग 1,000 मध्यम, छोटे और सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने का भी वादा किया है, जिनका कुल टर्न ओवर 100 करोड़ रुपये होगा।

भारतीय शासन व्यवस्था की पटकथा फिर से लिख रहा है मिशन कर्मयोगी

डॉ जितेंद्र सिंह

कल्पना करें कि राजस्थान के दूरदराज के किसी कोने में जिला कलेक्टर को एक ऐसी महत्वाकांक्षी कल्याण योजना की जिम्मेदारी सौंपी जाती है जिसके बारे में उसकी जानकारी बहुत कम है। एक दशक पहले उसे जानकारी के लिए कहीं धूल खा रही किसी नियमावली का सहारा लेना होता। या फिर वह अपने किसी वरिष्ठ सहयोगी की तीन बैठकों और लंच के बाद खाली होने का इंतजार करता। उसकी उम्मीद उस प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भी टिकी हो सकती थी जो शायद एक या दो साल में कभी आता। लेकिन आज वह अपने फोन के जरिए आईगॉट (इंटिग्रेटेड गर्वनमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म) पर लॉग ऑन करता है। उसे मिनटों में ही अपनी जरूरत के अनुरूप एक सुव्यवस्थित कार्यकुशलता आधारित पाठ्यक्रम मिल जाता है। वह शाम तक सूचनाओं और आत्मविश्वास से लैस होकर योजना के लाभार्थियों की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहा होता है। यह बदलाव देखने में छोटा लग सकता है मगर हकीकत में किसी क्रांति से कम नहीं है। चमक–दमक से दूर धैर्य के साथ पांच साल पहले शुरू किया गया मिशन कर्मयोगी एक क्रांति ला रहा है। यह नए भारत के लिए एक नई तरह के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने के उद्देश्य से चुपचाप काम कर रहा है। इसके महत्व को समझने के लिए हमें पहले संदर्भ को जानना होगा। 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री के निर्धारित लक्ष्य तक यूं ही नहीं पहुंचा जा सकता। इस मंजिल तक पहुंचने के लिए हमें भारत गणतंत्र को चलाने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों के जरिए सावधानी से एक–एक कदम आगे बढ़ना होगा। इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पूंजी, प्रौद्योगिकी या नीति नहीं है। सबसे ज्यादा अहमियत उन लगभग 3.5 करोड़ प्रशिक्षित, उत्साही और नागरिक केंद्रित सरकारी कर्मियों की क्षमता की है जो हर सुबह उठ कर भारतीय शासन को संचालित करते हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में ज्यादातर समय क्षमता निर्माण का मॉडल सांयोगिक रहा है। किसी नौजवान अधिकारी को सेवा की शुरुआत के समय औपचारिक प्रशिक्षण दिया जाता था। फिर करियर के बीच में यदा–कदा उसे कुछ पाठ्यक्रमों में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता था। बाकी, उसे काम करते हुए और दूसरों को देख कर ही सीखना होता था। एक स्थिर और धीमी गति से आगे बढ़ते विश्व में यह काफी था। लेकिन कृत्रिम मेधा, जलवायु अवरोध, जनसांख्यिकीय दबाव और जबर्दस्त प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के युग में यह सरासर नाकाफी है। प्रशासन के सामने चुनौतियां जिस रफ्तार से आती हैं उसके सामने प्रशिक्षण की पुरानी प्रणालियों की गति कहीं नहीं टिकती। मिशन कर्मयोगी को इसी बेमेल स्थिति के समाधान के रूप में की गई थी। 2021 में शुरू किया गया यह मिशनकृजिसे उसी वर्ष अप्रैल में स्थापित क्षमता निर्माण आयोग द्वारा संस्थागत रूप से संचालित किया गया, एक सचमुच महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आगे बढ़ा। भारतीय सिविल सेवाओं की सीखने की संस्कृति को, समय–समय पर होने वाली और केवल नियमों के पालन तक सीमित प्रक्रिया से बदलकर, एक निरंतर चलने वाली, भूमिका–आधारित और स्वयं–निर्देशित विकास यात्रा में रूपांतरित करना इसका मकसद है। जैसा कि आयोग इसका वर्णन करता है, यह बदलाव कर्मचारीकृयानी नियमों का पालन करने वाले एक पदाधिकारी से कर्मयोगी बनने की ओर हैरू एक ऐसा लोक सेवक जो किसी उद्देश्य, सेवा–भाव और उत्कृष्टता से प्रेरित हो। पाँच वर्षों के बाद, ये आंकड़े अत्यंत शिक्षाप्रद हैं। श्आईगॉट्च (इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग) प्लेटफॉर्म पर अब 1.5 करोड़ से अधिक सरकारी अधिकारी सक्रिय शिक्षार्थी के रूप में जुड़े हैं कृ यह एक ऐसी संख्या है जो शुरुआत के समय काल्पनिक लगती थी। 4,600 से अधिक योग्यता–आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से, इन अधिकारियों ने 8.3 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम पूरे किए हैं। अकेले पिछले राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के दौरान, भागीदारी के परिणामस्वरूप 4.5 मिलियन घंटे के पाठ्यक्रम नामांकन और 3.8 मिलियन घंटे की वास्तविक शिक्षा दर्ज की गई। ये केवल अमूर्त आंकड़े नहीं हैं। दर्ज किया गया प्रत्येक घंटा भारत में कहीं न कहीं एक लोक सेवक का प्रतिनिधित्व करता है कृ छत्तीसगढ़ में एक राजस्व निरीक्षक, पुणे में एक शहरी स्थानीय निकाय अधिकारी, मणिपुर में एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ये सब अपने साथी नागरिकों की बेहतर सेवा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ा रहें हैं। जो बात आईगॉट प्लेटफॉर्म को वास्तव में परिवर्तनकारी बनाती है, वह केवल इसका पैमाना नहीं है, बल्कि इसकी पहुँच की संरचना है। यह किसी भी समय और कहीं भी, स्मार्टफोन या डेस्कटॉप पर, कई भाषाओं में उपलब्ध है, और इसे शिक्षार्थी के पेशेवर प्रोफाइल के अनुसार बनाया गया है। पाठ्यक्रमों को हर तीन से छह महीने में अपडेट किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि शासन में एआई टूल का उपयोग कैसे करें या नए वित्तीय नियमों को कैसे समझें, इससे संबंधित सामग्री वर्तमान और प्रासंगिक बनी रहे। दूसरे शब्दों में, यह प्लेटफॉर्म धूल फांकने वाली कोई डिजिटल लाइब्रेरी नहीं है कृ बल्कि यह सीखने का एक जीवंत और अनुकूलन योग्य तंत्र है। इस पर विचार कीजिए कि एक आदिवासी जिले की जूनियर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए इसका क्या अर्थ है, जिसे उसकी अपनी भाषा में बाल पोषण मूल्यांकन के नवीनतम प्रोटोकॉल समझाने वाला एक मॉड्यूल प्राप्त होता है। उसे अपने ब्लॉक में किसी प्रशिक्षक के आने का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। वह सीखती है, और कार्य करती है। यही इस मिशन का लोकतांत्रिक लाभांश है। क्षमता निर्माण आयोग, इस तंत्र के रणनीतिक संरक्षक के रूप में, एक साथ वास्तुकार और संचालक दोनों की भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय नीति बनाने वाले एक सचिव से लेकर ग्राम स्तर पर इसे लागू करने वाले एक पंचायत पदाधिकारी तक, यह पहचान करता है कि सार्वजनिक भूमिकाओं के विशाल स्पेक्ट्रम में किन योग्यताओं की आवश्यकता है। यह सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय मानक 2.0 ढांचे के माध्यम से देश के प्रशिक्षण संस्थानों के लिए गुणवत्ता मानक निर्धारित करता है,।

बीमारी से तंग महिला ने किया ट्रेन के सामने कूदकर किया आत्महत्या

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपु। यूपी के जफराबाद थाना क्षेत्र के हौज गांव के पास की मंगलवारध्बुधवार भोर में एक 45 वर्षीय महिला ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर लिया।महिला ने बीमारी से परेशान होकर यह कदम उठाया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उक्त गांव निवासी रमेश प्रजापति पुत्र मेवालाल प्रजापति की बहन चन्दा देवी पत्नी दिनेश प्रजापति काफी दिनों से मायके में ही रह रही थी।चन्दा देवी की ससुराल जलालपुर के मई पराऊगंज में थी।बताया जाता है काफी दिनों से वह किसी बीमारी से काफी परेशान थी।इसी से परेशान होकर उसने अपनी जीवनलीला समाप्त कर लिया।इस संबंध में बुधवार को जानकारी लेने पर थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही कर रही है। उन्होंने बताया कि मृतका के भाई ने बताया कि चन्दा देवी बीमारी से तंग आकर आत्महत्या कर लिया।

हाईटेंशन लाइन से गिरी चिंगारी, गेहूं की फसल जलकर राख

लखनऊ, (संवाददाता)। पठान खेड़ा गांव में सोमवार दोपहर दो बजे हाईटेंशन लाइन से गिरी चिंगारी से किसान की गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। पठान खेड़ा गांव निवासी किसान लक्ष्मण गौतम के सड़क किनारे स्थित खेत के ऊपर से हाईटेंशन लाइन गुजरी है। सोमवार को तेज हवा के कारण लाइन में शॉर्ट सर्किट हुआ और उससे निकली चिंगारी तैयार खड़ी गेहूं की फसल पर गिर गई। आग की लपटें उठती देख राहगीरों ने ग्रामीणों को सूचना दी। इसके बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने एक घंटे में आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक करीब 12 बिस्वा गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह राख हो चुकी थी। इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने बताया आग लगने की सूचना मिली थी, लेकिन ग्रामीणों ने समय रहते आग बुझा ली थी। ग्राम प्रधान राजकुमार ने बताया कि घटना की सूचना लेखपाल को दे दी गई है।

दिव्यांग बन वीडियो वायरल करने का आरोप, सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। पारा मोहान रोड चौकी के सामने सर्विस रोड पर सोमवार शाम सात बजे दिव्यांगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। इस दौरान चार किलोमीटर तक जाम लग गया। इसके चलते पुलिस और छात्रों में नोकझोंक भी हुई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि विश्वविद्यालय की छात्राएं खुद को दिव्यांग बताकर वीडियो बना रही हैं और सोशल मीडिया पर वायरल कर रही हैं, जबकि वे वास्तव में दिव्यांग नहीं हैं। दिव्यांग छात्र राकेश मलिक, प्रह्लाद, इसार अहमद, सत्येंद्र व अमीत यादव के अनुसार आरोपी छात्राएं पिंक सिटी में रहती हैं। दिव्यांगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया दिव्यांग राकेश मलिक की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. यशवंत वीरोदय ने बताया कि मामले की जांच कर दोषी छात्रों पर कार्रवाई की जाएगी।

लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त युवक पर कड़ी कार्रवाई

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट द्वारा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से थाना कैसरबाग क्षेत्र के एक मनबढ़ एवं दबंग प्रवृत्ति के व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए उसे 6 माह के लिए लखनऊ जनपद की सीमा से निष्कासित (जिलाबदर) कर दिया गया है। यह आदेश उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम–1970 के तहत न्यायालय पुलिस आयुक्त, लखनऊ द्वारा पारित किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार लोक शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से वाद संख्या 10(05)ध्2026 के अंतर्गत विपक्षी के विरुद्ध उ0प्र0 गुण्डा नियंत्रण अधिनियम–1970 की धारा–3 के तहत सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से संयुक्त निदेशक अभियोजन अवधेश कुमार सिंह द्वारा प्रस्तुत तर्कों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट किया गया कि संबंधित व्यक्ति की गतिविधियां क्षेत्र की शांति व्यवस्था के लिए लगातार खतरा बनी हुई थीं,।

पूर्णावतार में मंच पर उतरी शिकारी के अंतर्मन की यात्रा

लखनऊ, (संवाददाता)। बीएनए के स्वर्ण जयंती समारोह के दूसरे दिन राज बिसारिया प्रेक्षागृह में शाम की प्रस्तुति के रूप में दिल्ली के क्षितिज थियेटर ग्रुप की ओर से नाटक पूर्णावतार का मंचन किया गया। नाटक में जरा नामक एक शिकारी की अंतर्मन की यात्रा दिखाई दी जो अनजाने में अपने ही सौतेले भाई श्रीकृष्ण की मृत्यु का कारण बन जाता है। प्रमथनाथ बिशी के मूल उपन्यास पर आधारित इस प्रयोगात्मक नाटक का नाट्य रूपांतरण और निर्देशन किया संगीत नाटक अकादमी अवॉर्डी वरिष्ठ रंगकर्मी भारती शर्मा ने। तकरीबन एक घंटा 45 मिनट की प्रस्तुति में दिखाया जाता है कि शिकारी जरा गहरे अपराधबोध से ग्रसित होकर मुक्ति की खोज में निकल पड़ता है। नाटक में संदेश दिया गया है कि पलायन केवल एक भ्रम है और मनुष्य को शांति तभी मिलती है जब वह अपने भीतर के सत्य का सामना करता है। समय के भेद को मिटाकर भूत, वर्तमान और भविष्य को एक निरंतरता में देखना ही इस नाटक का सार बना। मंच पर अभिनेता वैभव त्रिपाठी ने जरा की भूमिका निभाई। इसके अलावा शशिकांत वत्स, आशीष शर्मा और हर्ष यादव ने भी अपने अभिनय से प्रभावित किया।

तुम्हरे हमरे राम बराबर' पुस्तक का विमोचन

लखनऊ, (संवाददाता)। वरिष्ठ पत्रकार और लेखक एसडी बडोला की लिखी पुस्तक 'तुम्हरे हमरे राम बराबर' का विमोचन हजरतगंज स्थित यूपी प्रेस क्लब में किया गया। इस अवसर पर मौजूद वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र भदौरिया, कवि सर्वेश अस्थाना, वरिष्ठ पत्रकार सुधीर मिश्रा, उर्दू साहित्यकार अहमद इब्राहिम अल्वी और जेपी शुक्ला ने पुस्तक का विमोचन किया। प्रेमकांत तिवारी ने संचालन किया। सर्वेश अस्थाना ने कहा कि यह पुस्तक इस बात का सुबूत है कि आज भी अभिव्यक्ति की पूरी आजादी है। उन्होंने बताया कि पुस्तक के शीर्षक पर गीत और गजल भी लिखी जा सकती है। पुस्तक में अखिलेश यादव से लेकर सोनिया गांधी तक का जिक्र है।

राम अवतार अग्रवाल बने अध्यक्ष

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर के राधा कृष्ण मंदिर पार्क में सोमवार को विवेक खंड–2 जन कल्याण समिति की आम सभा हुई। गोमतीनगर जन कल्याण महासमिति के वरिष्ठ सचिव सीजी नायर और विवेक खंड–2 के प्रभारी संजय निगम और चुनाव अधिकारी एनएन टंडन की मौजूदगी में नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। राम अवतार अग्रवाल को अध्यक्ष, अनिल भटनागर और अलका सिंह को उपाध्यक्ष व यूसुफ अली को कोषाध्यक्ष बनाया गया। राजीव सक्सेना को सचिव, खेम पाल सिंह को संयुक्त सचिव, प्रदीप गुप्ता और जीवन सिंह डोगरा को सहायक सचिव बनाया गया। अनिल अग्रवाल को संगठन सचिव और अविरल बिसारिया को प्रचार सचिव बनाया गया।

निजी स्कूलों पर मनमानी फीस वसूली का आरोप, शिवसेना ने सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद में निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूली और महंगी पुस्तकों की अनिवार्य बिक्री को लेकर अभिभावकों की शिकायतें तेज हो गई हैं। इसी मुद्दे को लेकर बुधवार को शिवसेना के जिला प्रभारी विकास कुमार पांडेय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट सुनील कुमार भारती को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कई निजी शिक्षण संस्थान जिला प्रशासन के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं और निध ारित फीस संरचना का उल्लंघन करते हुए अभिभावकों से मनमाना शुल्क वसूल रहे हैं। इसके अलावा स्कूलों द्वारा महंगी पुस्तकों और स्टेशनरी को अनिवार्य रूप से खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है। साथ ही विकास शुल्क, स्मार्ट क्लास शुल्क समेत अन्य मदों के नाम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। शिवसेना जिला प्रभारी विकास कुमार पांडेय ने कहा कि इन गतिविधियों का सबसे अधिक असर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। कई अभिभावक मजबूरी में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित करने को विवश हो रहे हैं, जिससे शिक्षा के अधिकार पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि जिला प्रशासन निजी स्कूलों के लिए निर्धारित फीस और पुस्तकों की कीमतों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराए। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि जिले स्तर पर एक निगरानी समिति गठित की जाए, जो समय–समय पर स्कूलों का निरीक्षण कर मनमानी पर रोक लगाए। शिवसेना कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

पेंशनर्स केन्द्र एवं राज्य सरकार से नाराज 21 अप्रैल को प्रदर्शन करेगे

देश की उपासना ब्यूरो

जौनपुर। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के जनपद कार्यकारिणी की मासिक बैठक कलेक्ट्रेट परिसर मे जनपद अध्यक्ष सी बी सिंह की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। वैठक को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष ने वर्तमान मे माननीय प्रधान मन्त्री भारत सरकार को पेंशनर्स की मांगो से सम्बन्धित भेजी जाने वाली हस्ताक्षर याचिका पर चलाये जा रहे पेंशनर्स हस्ताक्षर अभियान की समीक्षा करते हुए सफलतापूर्वक कार्य संचालन मे सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किए। साथ ही पेंशनर्स के टर्मस रिफरेन्स को आठवे वेतन आयोग के राजपत्र मे सम्मिलित किए जाने , महगाई राहतध्महगाई भत्ता के सन्दर्भ मे जारी राजपत्र दिनांक–29–8–2008मे प्रकाशित निर्णय के अनुसार कर्मचारियो,पेंशनरो, शिक्षको के लिए अलग सी पी आई बनायी जाए ,पेंशन राशिकरण की कटौती दस बर्ष पर बन्द करने,65 वर्ष की उम्र पूरी होने पर प्रत्येक पांच वर्ष पर पांच प्रतिशत पेंशन की वृध्दि की जाय ,पेंशन को नान कन्ट्रीब्यूटरी,अनफण्डेड का उल्लेख वेतनआयोग के राजपत्र से वापस लिया जाए, पेंशन को आयकर से मुक्त किये जाने आदि दस सूत्रीय मांग को लेकर आगामी दिनांक–21अप्रैल को होने वाले अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स फेडरेशन के आल इण्डिया प्रदर्शन के सर्मथन मे वडी संख्या मे कलेक्ट्रेट परिसर स्थित धरना–प्रदर्शन मे वडी संख्या मे उपस्थित होकर कार्य क्रम को सफल बनाने की अपील की गयी।

बैठक मे बडी संख्या मे उपस्थित पेंशनर्स उपस्थित रहे,जिन्हे वक्तओ ने सम्बोधित करते हुए संगठन के कार्य क्रम मे तन–मन धन से सहयोग का संकल्प व्यक्त करते हुए, सरकार से पेंशनर्स की मांग को शीध ्र परी करने की अपील की गयी।बैठक को मुख्य रूप से ओकांर नाथ मिश्र, के के त्रिपाठी,अशोक प्रताप सिंह, कंचन सिंह, इ0प्रमोद कुमार सिंह, चन्द्र शेखर सिंह, श्याम बिहारी सिंह ,गोपाल लाल श्रीवास्तव, सुबेदार यादव, राम अवध यादव,शेष नाथ सिंह नन्दलाल सरोज, रमेश, बिक्रमाजीत यादव, पलकधारी, डॉक्टर भारत यादव,राजपति विश्वकर्मा,राम प्रताप यादव, शारदा प्रसाद श्रीवास्तव, हुंबराज यादव, दसरथ राम, शम्भूनाथ यादव, गोरखनाथ नाथ माली अशोक मिश्र आदि ने सम्बोधित किया. ।शभा के अन्त मे संगठन की सदस्य स्व0 मन्जू रानी राय के असामयिक निधन पर दो मिनट तक मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शान्ति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। बैठक का संचालन संगठन के जिलामन्त्री कृपाशंकर उपाध्याय ने किया।

सुल्तानपुर जेल में बंदी ने बैरक के अंदर की आत्महत्या, पत्नी की हत्या करने के मामले में गया था जेल

लखनऊ, (संवाददाता)। सुल्तानपुर जेल में पत्नी की हत्या के आरोपी एक बंदी ने आत्महत्या कर ली। ध नपतगंज के चरथई निवासी नक्छेद का शव सोमवार रात जेल के बैरक में शौचालय के अंदर प्लास्टिक की रस्सी से लटका मिला। जेल कमांडेंट प्रांजल अरविंद ने बताया कि मृतक बंदी नक्छेद 25 मार्च से कारागार में निरुद्ध था। रात्रि करीब डेढ़ बजे शौचालय में उसका शव प्लास्टिक की रस्सी से लटका हुआ पाया गया। नक्छेद (45 वर्ष) को अपनी पत्नी कुसुम (42 वर्ष) की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उसे 25 मार्च को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया था। यह घटना 24 मार्च को हुई थी। नक्छेद गांव में लिंटर डालने का काम कर रहा था, जब उसने अपनी पत्नी कुसुम को फोन किया। कुसुम के फोन न उठा पाने पर नक्छेद नाराज हो गया। रात करीब 12 बजे घर लौटने पर उसने पत्नी कुसुम को पीटना शुरू कर दिया। उनके दो छोटे बच्चे, उदयभान (9 वर्ष) और दीक्षा (8 वर्ष), जब अपनी मां को बचाने आए, तो नक्छेद ने उन्हें भी धक्का दे दिया। उसने बच्चों के सामने ही कुसुम को डंडे से पीटा। गंभीर रूप से घायल कुसुम को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसएचओ अंजू मिश्र ने हत्यारोपी पति नक्छेद को गिरफ्तार किया था। सीजेएम नवनीत सिंह के आदेश पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी नक्छेद ने बताया कि वह भोले बाबा का भक्त है और उसने माथे पर नाग का टैटू बनवा रखा है। उसने यह भी दावा किया था कि घटना वाले दिन उसने अधिक मात्रा में भांग का सेवन किया था, जिससे उसका मानसिक संतुलन बिगड़ गया था और उसने यह कदम उठाया था। मृतका कुसुम के तीन बच्चे हैं। बड़ा बेटा तिलक राज (22 वर्ष) बाहर रहता है, जबकि उदयभान और दीक्षा घर पर ही थे। मां की मौत और पिता की गिरफ्तारी के बाद इन दोनों बच्चों के सामने अब जीवनयापन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। परिवार में उनकी देखभाल करने वाला कोई अन्य सदस्य नहीं है और ननिहाल पक्ष से भी उन्हें कोई सहारा नहीं मिल पा रहा है।

बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन पर महिला के बैग से 53 जिंदा कारतूस बरामद, आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज

लखनऊ, (संवाददाता)। महानगर थाना क्षेत्र स्थित बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन पर रविवार को सुरक्षा जांच के दौरान उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला के बैग से बड़ी संख्या में जिंदा कारतूस बरामद हुए। एक्स–रे स्कैनिंग के दौरान बैग में संदिग्ध सामग्री दिखाई देने पर सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल सतर्कता दिखाते हुए बैग की गहन जांच कराई, जिसमें कुल 53 जिंदा कारतूस और 10 खोखा कारतूस बरामद हुए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की विधि क कार्रवाई की जा रही है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 05 अप्रैल 2026 को समय लगभग 11रू59 बजे बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन पर नियमित सुरक्षा जांच के दौरान एक महिला द्वारा काले रंग का बैग एक्सबीआईएस मशीन पर रखा गया। मशीन के मॉनिटर पर बैग के अंदर कारतूस जैसी वस्तु दिखाई देने पर ड्यूटी पर तैनात महिला गार्ड (एसआईएस) ने तत्काल सतर्कता बरतते हुए बैग की भौतिक जांच कराई। जांच के दौरान बैग के अंदर से 35 अदद जिंदा कारतूस .303 बोर बरामद हुए, जिनमें 07 क्लिप चार्जर भरे हुए थे तथा 03 क्लिप चार्जर खाली पाए गए।इसके अतिरिक्त महिला के बैग में रखे एक काले रंग के छोटे पर्स की तलाशी लेने पर उसमें 18 अदद जिंदा कारतूस 9 एमएम बरामद हुए।

सामाजिक सरोकारों की दिशा में पीयू की पहल, बालिका संरक्षण गृह का किया शैक्षणिक भ्रमण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत एक सराहनीय पहल करते हुए राजकीय बालिका संरक्षण गृह, रामनगर (वाराणसी) का शैक्षणिक एवं संवेदनशील भ्रमण किया। यह कार्यक्रम राजभवन सचिवालय, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में कुलपति प्रो. वंदना सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। भ्रमण के दौरान विश्वविद्यालय की टीम ने बालिका गृह में रह रही बालिकाओं के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओंकृशिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, मानसिक सुदृढ़ता और पुनर्वासकृका गहन अध्ययन किया। इस पहल का उद्देश्य न केवल व्यवस्थाओं का अवलोकन करना था, बल्कि यह भी समझना था कि विश्वविद्यालय पॉक्सो अधिनियम एवं अन्य संवेदनशील परिस्थितियों में रह रही बालिकाओं के पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक सशक्तिकरण और कौशल विकास में किस प्रकार सहयोग कर सकता है। भ्रमण दल का नेतृत्व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने किया। उनके साथ उपकुलसचिव श्रीमती बबीता, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग की डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय, शोध छात्रा एवं वरिष्ठ नैदानिक मनोवैज्ञानिक पायल तथा दिवाकर शर्मा उपस्थित रहे। संरक्षण गृह की प्रभारी संगीता राय एवं परामर्शदाता दीपिका सिंह ने टीम का स्वागत करते हुए परिसर का विस्तृत निरीक्षण कराया और आवास, पोषण, स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श सेवाओं, शैक्षणिक गतिविधियों व कौशल प्रशिक्षण की जानकारी दी। प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं संगीता राय ने भविष्य में संयुक्त रूप से जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण सत्र और कार्यशालाएं आयोजित करने पर सहमति जताई। यह पहल राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के नेतृत्व में विश्वविद्यालयों द्वारा निभाए जा रहे सामाजिक दायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है।

तालाब में डूबने से दो मासूमों की मौत, गांव में पसरा मातम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के पराहित गांव में मंगलवार को तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में कोहराम मच गया और हर तरफ शोक का माहौल छा गया। गांव निवासी अरविंद पुत्र मोनू (12)और लालबहादुर पुत्र उमंग (9)मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बिना बताए गांव के पास स्थित तालाब में नहाने चले गए। उस समय परिवार के सदस्य खेतों में गेहूं की कटाई में व्यस्त थे। देर रात जब परिजन घर लौटे तो दोनों बच्चे नहीं मिले, जिसके बाद उनकी तलाश शुरू की गई। काफी खोजबीन के बाद घर से करीब 500 मीटर दूर स्थित तालाब में दोनों बच्चों के शव मिलने की सूचना मिली। आशंका जताई जा रही है कि नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए, जिससे उनकी डूबकर मौत हो गई। ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को तालाब से बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जुट गई। बच्चों की मां का रो–रोकर बुरा हाल है। एक साथ दो मासूमों की मौत से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। मोनू के पिता दिल्ली में मजदूरी करते हैं और वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। वह प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 4 का छात्र था। वहीं उमंग के पिता मुंबई में काम करते हैं और वह दो भाइयों में बड़ा था तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 7 में पढ़ता था। बुधवार को जानकारी लेने पर प्रभारी निरीक्षक विनीत रॉय ने बताया कि आज दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि मामले में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कवियित्री सुमति श्रीवास्तव की पुस्तक `आखिर क्यों' के द्वितीय संस्करण का हुआ विमोचन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद की सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं कवियित्री सुमति श्रीवास्तव की पुस्तक 'आखिर क्यों' के द्वितीय संस्करण का विमोचन 5 अप्रैल 2026 को जनक कुमारी इंटर कॉलेज के प्रांगण में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ, जिसके बाद अतिथियों का माल्यार्पण, मोमेंटो एवं अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से आए कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रयागराज से आए कवि अमित आनंद ने "मां–बाप से ज्यादा कोई अपना नहीं होता" रचना से कार्यक्रम का आगाज किया। भदोही के रचनाकार संदीप बालाजी ने सुमति श्रीवास्तव के साहित्यिक योगदान की सराहना करते हुए काव्य पंक्तियों के माध्यम से उन्हें सम्मानित किया। सीतापुर के सिद्धांत अवस्थी, अजय विश्वकर्मा 'शान', राजेश पांडेय, संजय सागर, सुशील दुबे, गिरीश

श्रीवास्तव, नरेंद्र बहादुर पंकज, चंद्रकांत भ्रमर, रूपेश साथी 'अकेला', एस.वी. उपाध्याय, प्रमोद वाचस्पति, रामजीत मिश्रा, सीमा सिंह एवं आलोक रंजन सिन्हा सहित अनेक कवियों ने काव्य पाठ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आयोजन वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव एवं जितेंद्र श्रीवास्तव द्वारा किया गया, जबकि अध्यक्षता जनार्दन प्रसाद अस्थाना ने की। मुख्य अतिथि के रूप में वाराणसी की ऋतु दीक्षित, सुषमा मिश्रा एवं सभाजीत द्विवेदी 'प्रखर' उपस्थित रहे। इस अवसर पर राजेश श्रीवास्तव 'बच्चा भैया' ने कायस्थ महासभा की ओर से सुमति श्रीवास्तव को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रवीणता श्रीवास्तव, सुनीता श्रीवास्तव, सुप्रीत श्रीवास्तव, डॉ. विमला सिंह, अपेक्षा, अनाहिता तिवारी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में साहित्य प्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही और सभी ने पुस्तक के द्वितीय संस्करण के प्रकाशन पर कवियित्री को शुभकामनाएं दीं।

सही नीयत, ईमानदारी व लगन हैं सफलता के मूल मंत्र : किरण बेदी

लखनऊ, (संवाददाता)। फिक्की फ्लो के 'चेंज ऑफ गार्ड' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं पुडुचेरी की पूर्व उप राज्यपाल किरण बेदी ने महिला उद्यमियों को सफलता के लिए सही नीयत, ईमानदारी और निडरता के साथ जमीन पर काम करने की सीख दी। उन्होंने उत्तर प्रदेश में कानून–व्यवस्था के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार को 10 में 10 अंक दिए। गोमतीनगर स्थित एक होटल में सोमवार को आयोजित फ्लो के लखनऊ चौप्टर के कार्यक्रम में किरण बेदी ने कहा कि जिसकी नीयत साफ होती है, उसे केवल भगवान से डर लगता है। उन्होंने प्रदेश में बढ़ती महिला पुलिसकर्मियों की संख्या पर खुशी जताते हुए कहा कि उनके प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और कल्याण पर लगातार ध यान देना जरूरी है। राज्यसभा में राघव चड्ढा से जुड़े मुद्दे पर टिप्पणी करने से उन्होंने इन्कार करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में उनकी कोई रुचि नहीं है।

वरिष्ठ पत्रकार के.बी शुक्ला के भतीजे विश्वास शुक्ला का आयकर विभाग में हुआ चयन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मसौधा ब्लॉक के शिवदासपुर शुक्ल का पुरवा गांव के होनहार युवा विश्वास शुक्ला का चयन आयकर विभाग में कार्यालय अधीक्षक के पद पर हुआ है।इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।विश्वास शुक्ला, पूर्व ग्राम प्रधान और वरिष्ठ अधिवक्ता लाल बहादुर शुक्ला के भतीजे हैं।विश्वास के पिता गोरखपुर में निजी नौकरी करते हैं। उनके परिवार में शिक्षा और सेवा का मजबूत माहौल है। उनकी बड़ी बहन गोरखपुर में पुलिस विभाग में तैनात हैं, जबकि दूसरी बड़ी बहन ने वर्ष 2025 की पीसीएस मुख्य परीक्षा में भाग लिया है।विश्वास शुक्ला के चाचा के.बी. शुक्ला जनपद के वरिष्ठ पत्रकार हैं। परिवार की इस पृष्ठभूमि ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। विश्वास की इस सफलता से न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे जनपद का नाम रोशन हुआ है।क्षेत्र के लोगों, शुभचिंतकों और गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

शारीरिक शोषण में कैंट पुलिस ने किया प्रेमी को गिरफ्तार

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। कैंट थाना पुलिस ने एक युवती को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण के मामले में उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है।इस मामले में पीड़िता की शिकायत पर युवक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।तारुन थाना क्षेत्र निवासी युवती का आरोप है कि उसका कैंट थाना क्षेत्र के मझवा गद्दोपुर में रहने वाले मूल रूप से गोंडा जनपद के करनैलगंज निवासी युवक सूरज से प्रेम प्रसंग हुआ था।जब बात शादी की आई तो सूरज ने विवाह करने से इंकार कर दिया।परिवार ने उसका अन्यत्र विवाह कर दिया तो इससे नाराज प्रेमी सूरज ने पति के मोबाइल पर उसकी आपत्तिजनक फोटो भेजनी शुरू कर दी और अपने रिश्ते की बात बता दी।जिसके कारण पति ने उसको घर से निकाल दिया।फिर सूरज के पास आई और शादी को कहा तो उसने झांसा देकर अपने आवास लेपर कई बार शारीरिक संबंध बनाया।और फिर मारापीटा ततः शादी से इंकार कर आपत्तिजनक फोटो वायरल करने की धमकी देने लगा।इस संबंध मे प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण, मारपीट, गाली–गलौच और धमकी की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपी का मेडिकल परीक्षण और डीएनए नमूना एकत्र करवा चालान किया गया है।

अलग अलग हादसे मे एक युवक की मौत,शिक्षिका व विद्युतकर्मी घायल

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जनपद के अलग–अलग थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर शाम हुए हादसों में एक युवक की मौत हो गई,जबकि एक शिक्षिका और एक विद्युत कर्मी घायल हो गये।दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।मिली जानकारी के मुताबिक पल्सर मोटरसाइकिल सवार रायबरेली जनपद के पूरे मलाई का रहने वाला रामकृष्ण 35 वर्ष पुत्र सहदेव देर शाम लखनऊ से बस्ती की ओर जा रहा था।लखनऊ हाईवे पर कैंट थाना क्षेत्र में आरटीओ कार्यालय के पहले किसी वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी।माजरा देख साहिल नामक युवक ने एंबुलेंस को फोन किया तो ईएमटी सर्वेश कुमार ने गंभीर हाल में घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया।जहां इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने परीक्षण के बाद उसको मृत घोषित कर दिया।वहीं महाराजगंज थाना क्षेत्र में रसूलाबाद रोड पर एक स्कॉर्पियो वाहन ने पहले स्कूटी को टक्कर मारी और फिर मोटरसाइकिल में जा भिडी।दुर्घटना में स्कूटी सवार नगर कोतवाली के अमानीगंज की रहने वाली शिक्षिका अनुराधा (49 वर्ष) पत्नी धीरेंद्र कुमार और विद्युत विभाग में हैदरगंज में तैनात अयोध्या कोतवाली के सिरसिंडा का रहने वाला प्रवेश कुमार (31 वर्ष) पुत्र पटेश्वरवदीन घायल हो गए।घायल शिक्षिका को उसके पति धीरेंद्र कुमार तथा विद्युत कर्मी को उसके भाई विनोद कुमार ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

तीन सीओ के कार्यक्षेत्र मे फेरबदल

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। बुधवार को एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर ने तीन सीओ के कार्य क्षेत्र में फेरबदल किया।उन्होंने सीओ बीकापुर पीयूष रहे को सीओ मिल्कीपुर का दायित्व सौपा।जबकि सीओ परिसर मे तैनात सुनील कुमार सिंह को सीओ बीकापुर की कमान सौपा।वही सीओ मिल्कीपुर रहे अजय कुमार सिंह को सीओ परिसर बनाया है।

वरिष्ठ पत्रकार के बी शुक्ला के भतीजे का आयकर विभाग मे हुआ चयन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। मसौधा ब्लॉक के शिवदासपुर शुक्ल का पुरवा गांव के होनहार युवा विश्वास शुक्ला का चयन आयकर विभाग में कार्यालय अधीक्षक के पद पर हुआ है।इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विश्वास

शुक्ला, पूर्व ग्राम प्रधान और वरिष्ठ अधिवक्ता लाल बहादुर शुक्ला के भतीजे हैं।विश्वास के पिता गोरखपुर में निजी नौकरी करते हैं।उनके परिवार में शिक्षा और सेवा का मजबूत माहौल है।उनकी बड़ी बहन गोरखपुर में पुलिस विभाग में तैनात हैं, जबकि दूसरी बड़ी बहन ने वर्ष 2024 की पीसीएस मुख्य परीक्षा में भाग लिया है।विश्वास शुक्ला के चाचा के.बी. शुक्ला जनपद के वरिष्ठ पत्रकार हैं। परिवार की इस पृष्ठभूमि ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। विश्वास की इस सफलता से न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे जनपद का नाम रोशन हुआ है।क्षेत्र के लोगों, शुभचिंतकों और गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

छूटे छात्रों की 9–10 अप्रैल को होगी प्रयोगात्मक परीक्षा

भदोही, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने इंटरमीडिएट की साल 2026 की प्रयोगात्मक परीक्षा में छूटे छात्र–छात्राओं को अंतिम अवसर दिया है। इन छात्रों की परीक्षाएं नौ और 10 अप्रैल को आयोजित की जाएंगी। परिषद का निर्णय प्रायोगिक परीक्षा से वंचित विद्यार्थियों के लिए राहत लेकर आया है। जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान ने बताया कि परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होंगी। परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा नियुक्त परीक्षक इन्हें संपन्न कराएंगे। जिन विद्यालयों के सभी परीक्षार्थी छूट गए हैं। उनकी परीक्षा संबंधित विद्यालय में होगी। बताया कि विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज को विशेष केंद्र बनाया गया है। उन्होंने बताया कि यह छात्रों के लिए अंतिम मौका है। यदि किसी छात्र की प्रयोगात्मक परीक्षा नहीं हो पाती है तो प्रधानाचार्य और परीक्षार्थी दोनों पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

नगर पुलिस ने एक मुकदमे में नामित चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर द्वारा अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एवं एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के निर्देशन व सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पांडे के नेतृत्व में गठित टीम उपनिरीक्षक अखिलेश कुमार तिवारी मय हमराह द्वारा एक मुकदमे में नामित अभियुक्त सिद्धार्थ चौरसिया व रोहित यादव को एक स्कूटी एक्टिवा तथा दो मोबाइल फोन व चालीस हजार नगद रुपए बरामदगी के साथ उसुरू नहर पुल के पास से किया गिरफ्तार। पुलिस ने बताया गिरफ्तार अभियुक्तगण के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तार करने वाली टीम में मुख्य रूप से नगर कोतवाली अंतर्गत नवीन मंडी चौकी प्रभारी जय किशोर अवस्थी व उप निरीक्षक अखिलेश कुमार तिवारी के साथ कांस्टेबल श्रवण कुमार व कांस्टेबल सिंटू कुमार मौजूद रहे।

भोर फाउंडेशन द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस पर महिलाओं के लिए जागरूकता अभियान आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।भोर फाउंडेशन द्वारा सरोजनीनगर लखनऊ में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर महिलाओं के लिए एक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाना और उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन अध्यक्ष Swati सिंह ने महिलाओं को स्वच्छता, पोषण, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, उपस्थित महिलाओं को हेल्थ किट का वितरण भी किया गया, जिससे वे अपने दैनिक जीवन में स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों को अपना सकें। इस अवसर पर swati सिंह ,निशांत सिंह, पीयूष मिश्रा, श्वेता सिंह और सुधांशु विश्वकर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना की और इसे समाज के लिए एक सकारात्मक कदम बताया। भोर फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संतुलित खाद्य पदार्थों की प्रदर्शनी लगाई गई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। चरक इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कला संकाय के अंतर्गत गृह विज्ञान विभाग द्वारा चरक ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा "ज्वहमजीमत वित भ्मंसजी, Stand with Science" के संदेश को जन–जन तक पहुँचाना रहा। इस अवसर पर संस्थान की चेयरपर्सन रितु सिंह, प्राचार्या डॉ. अनुराधा त्रिपाठी, मुख्य अतिथि डॉ. मीरा सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ जैसे भाषण, पोस्टर प्रस्तुति, जागरूकता अभियान एवं विचार–विमर्श प्रस्तुत किए गए। साथ ही संतुलित खाद्य पदार्थों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका अवलोकन मुख्य अतिथि डॉ. मीरा सिंह एवं प्राचार्या डॉ. अनुराधा त्रिपाठी ने किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में संतुलित आहार एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विशेष बल दिया। इस सफल आयोजन में गृह विज्ञान विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका नीलम श्रीवास्तव का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।कार्यक्रम के अंत में आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष सुश्री आकांक्षा अवस्थी द्वारा किया गया। संस्थान प्रशासन ने इस सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

स्टेम रेसिंग लिखित परीक्षा में शामिल हुए 98 बच्चे

उन्नाव, (संवाददाता)। कंपोजिट विद्यालय धन्नापुरवा सकरौली में स्टेम रेसिंग प्रोग्राम के तहत लिखित परीक्षा आयोजित की गई। इसमें परिषदीय स्कूलों के छात्र–छात्राएं शामिल हुए। परीक्षा बांगरमऊ ब्लॉक के 100 से अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों में कराई गई। परीक्षा में प्राथमिक स्तर के कक्षा तीन से पांच तक के बच्चे शामिल हुए। उच्च प्राथमिक स्तर पर कक्षा छह से आठ तक के बच्चों ने भी हिस्सा लिया। स्टेम रेसिंग परीक्षा में कुल 25 प्रश्न पूछे गए थे। डायट से पहुंची टीम में शामिल अखिलेश शुक्ल और रचना सिंह ने कंपोजिट विद्यालय धन्नापुरवा सकरौली में निरीक्षण किया। यहां 155 पचपन बच्चों के सापेक्ष 98 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए। रचना सिंह ने बताया कि चयनित छात्रों को दो दिवसीय प्रशिक्षण मिलेगा। इसके बाद ये छात्र जिलास्तरीय स्टेम रेसिंग परीक्षा में भाग लेंगे। इसके बाद अखिलेश शुक्ल और रचना सिंह प्राथमिक विद्यालय भिखारीपुर कस्बा पहुंचे। वहां स्कूल चलो अभियान रैली में भी भाग लिया। रैली में शिक्षक शशांक चौहान, गीता यादव और देवेंद्र प्रताप सिंह, सर्वेश वर्मा, कौशलेंद्र पाल और ठाकुर प्रसाद भी भी शामिल रहे। स्टेम रेसिंग लिखित परीक्षा कक्षा तीन से आठ तक छात्रों के लिए कराई जाती है। यह विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) विषयों पर केंद्रित है। इसमें आमतौर पर 25 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होते हैं, जो 100 अंकों (4 अंक सही, –2 गलत) के होते हैं। यह परीक्षा टीम वर्क, कार डिजाइन, और इंजीनियरिंग सिद्धांतों का परीक्षण करती है।

कक्षा तीन की कॉपी-किताबें चार हजार और आठवीं की सात हजार में

उन्नाव, (संवाददाता)। निजी स्कूलों की मनमानी से अभिभावकों पर किताबों और यूनिफॉर्म का भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। संचालक अभिभावकों को अपनी बताई दुकानों और स्कूलों से महंगी किताबें खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं। नामी स्कूलों का आलम यह है तीसरी कक्षा की किताबों और कॉपियों का पूरा सेट चार हजार रुपये में मिल रहा है। आठवीं कक्षा की किताबों पर सात हजार रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। अन्य कक्षाओं की किताबों का भी यही हाल है। नया सत्र शुरू होने के बाद से ही कॉपी–किताब की दुकानों पर अभिभावकों की भीड़ है। निजी स्कूलों की किताबें केवल उन्हीं दुकानों पर उपलब्ध हैं, जिनके नाम स्कूल की दी गई ।

गाड़ियों पर सख्ती बढ़ गई, बदला मरीजों का खेल– अब पैदल ले जा रहे हैं बिचौलिए

गोरखपुर, (संवाददाता)। बीआरडी मेडिकल कॉलेज परिसर में निजी एंबुलेंस और ऑटो चालकों पर प्रशासन की सख्ती बढ़ते ही मरीजों को बहकाने वाले गिरोह ने अपना तरीका बदल लिया है। अब ये बिचौलिए वाहन लेकर अंदर आने के बजाय मरीजों और उनके तीमारदारों को झांसे में लेने के बाद परिसर से बाहर बुला रहे हैं। बाहर ले जाकर उन्हें ऑटो और अन्य गाड़ियों से निजी अस्पतालों में पहुंचा रहे हैं। मेडिकल कॉलेज में लंबे समय से मरीजों को निजी अस्पतालों की ओर मोड़ने की शिकायतें मिल रही थीं। प्रशासन की ओर से कार्रवाई के बाद परिसर में निजी एंबुलेंस की आवाजाही पर काफी हद तक रोक लगी है लेकिन इसके बाद भी दलालों की घुसपैठ कम नहीं हुई। सख्ती बढ़ने पर धंधेबाजों के इन गुर्गों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। सूत्रों के अनुसार, मेडिकल कॉलेज के वार्डों में तैनात कुछ आउटसोर्स और संविदा कर्मचारी इसमें बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। ये कर्मचारी मरीजों के तीमारदारों को पहले यह कहकर डराते हैं कि यहां इलाज की सुविधा पर्याप्त नहीं है या समय पर इलाज नहीं मिल पाएगा। इसके बाद निजी अस्पतालों में बेहतर इलाज का झांसा देकर बाहर ले जाने के लिए उकसाते हैं। जब तीमारदार झांसे में आ जाते हैं, तो उन्हें एंबुलेंस चालकों के मोबाइल नंबर दे दिए जाते हैं। फिर कर्मचारी और एंबुलेंस चालक मिलकर मरीज को इस तरह निकलवाते हैं कि ऐसा लगे कि मरीज के परिजन अपनी मर्जी से निजी अस्पताल जा रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य के निर्देश पर गार्डों को स्पष्ट आदेश दिए गए हैं कि परिसर में आने–जाने वाली हर गाड़ी की सघन जांच की जाए। अब किसी भी मरीज को बाहर ले जाने से पहले तीमारदार को मेडिकल चौकी पर विस्तृत जानकारी दर्ज करानी होती है। इसमें तीमारदार को अपना नाम, पता, मरीज का नाम, वाहन नंबर, चालक का नाम और जिस अस्पताल में जाना है उसकी जानकारी रजिस्टर में दर्ज करानी होती है। इसके साथ ही फोटो भी लिया जाता है। इसके बाद ही मरीज को बाहर ले जाने की अनुमति दी जाती है। हाल ही में पुलिस ने कई निजी एंबुलेंस सीज कीं हैं।

अनियंत्रित होकर पलटी श्रद्धालुओं से भरी स्कार्पियो, चालक की मौत- दो गंभीर

गोरखपुर, (संवाददाता)। भिटौली थाना क्षेत्र के भैंसा पुल से धरमौली की ओर जाने वाली नहर पटरी पर सोहरौना राजा गांव के समीप मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरी स्कार्पियो अनियंत्रित होकर पहले पेड़ से टकराई और फिर गड्ढे में पलट गई। हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति–पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। अन्य सवार लोगों को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार महराजगंज कस्बे के शिवनगर पड़री निवासी रामदयाल वर्मा (54), उनकी पत्नी निर्मला (50), बेटा जितेंद्र (32), बहू रागिनी (30) तथा सतभरिया निवासी संतोष कुमार वर्मा (40) और उनकी पत्नी सुमन (36) बीते शनिवार को पूरे परिवार के साथ देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम के दर्शन के लिए गए थे। सोमवार को दर्शन करने के बाद सभी लोग स्कार्पियो से वापस घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि वाहन चालक संतोष कुमार वर्मा लगातार रातभर गाड़ी चलाते हुए आए। मंगलवार सुबह जब वे भिटौली थाना क्षेत्र के सोहरौना राजा गांव के पास पहुंचे, तभी उन्हें झपकी आ गई। इससे गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराई और गड्ढे में पलट गई। हादसे में कार के नीचे दबने से चालक संतोष कुमार वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रामदयाल वर्मा और उनकी पत्नी निर्मला गंभीर रूप से घायल हो गए। अन्य लोगों को हल्की चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। आसपास के लोगों और राहगीरों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परतावल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने संतोष कुमार वर्मा को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल रामदयाल और निर्मला को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। घटना के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

तारों की शिफ्टिंग और नए पोल लगाने में किसी प्रकार की समस्या न आए, एमडी ने लिया जायजा

गोरखपुर, (संवाददाता)। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक (एमडी) शंभू कुमार सोमवार को जिले में पहुंचे और निर्माणाधीन विरासत गलियारा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां हो रही बिजली की लाइन शिफ्टिंग, नए पोल लगाने और तारों की व्यवस्था का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली। एमडी ने निर्देश दिए कि बिजली निगम अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता से करें ताकि तारों की शिफ्टिंग और नए पोल लगाने में किसी प्रकार की समस्या न आए। उन्होंने कहा कि विरासत गलियारा शहर की सुंदरता का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए कहीं भी बिजली के तार खुले में दिखाई न दें और पूरा क्षेत्र व्यवस्थित व आकर्षक नजर आए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बक्शीपुर उपकेंद्र का भी दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उपकेंद्र की शिफ्टिंग जल्द पूरी की जाए, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आगामी गर्मी को देखते हुए एमडी ने बिजली व्यवस्था को लेकर भी सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में आपूर्ति पूरी तरह सुचारु रहे। इसके अलावा, प्रबंध निदेशक ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर विरासत गलियारा सहित शहर और प्रदेश की बिजली व्यवस्था की जानकारी भी दी। पूरे मामले में अधीक्षण अभियंता (शहरी) रणजीत चौधरी ने बताया कि विरासत गलियारा में हो रहे बिजली कार्यों की जिम्मेदारी बिजली निगम की नहीं है, बल्कि पूरा कार्य पीडब्लूडी की ओर से कराया जा रहा है। हमारी भूमिका केवल शटडाउन देने तक सीमित है।

बाइक की टक्कर से युवक की मौत, प्राथमिकी दर्ज

गोरखपुर, (संवाददाता)। मोगलहा गांव निवासी निरम यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पति सन्नी उर्फ रमेश यादव बलुआ चौराहे से बाजार कर पैदल घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने बिना हॉर्न दिए लापरवाहीपूर्वक उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रमेश यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैंपियरगंज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई। मृतक की पत्नी निरम यादव का रो–रोकर बुरा हाल है।

घड़ों के बाद अब मिट्टी की बोतलों का ट्रेंड

गोरखपुर, (संवाददाता)। गर्मी की शुरुआत के साथ ही बाजार में मिट्टी की डिजाइनर बोतलें आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। भीषण गर्मी में मिट्टी की ये बोतलें फ्रिज के विकल्प के रूप में तेजी से बिक रही हैं। तेज धूप और अच्छी सेहत के लिए लोग अब प्लास्टिक की बोतल छोड़ प्राकृतिक शीतलता की ओर बढ़ रहे हैं। इसे टेराकोटा शिल्प और आधुनिक डिजाइन से तैयार किया गया है। इन दिनों बाजार में मिट्टी के घड़ों के साथ ही मिट्टी के बोतले खूब बिक रही हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।